



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 16] नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 20, 1983/पाँच 30, 1904  
No. 16] NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 20, 1983/PAUSA 30, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

अंतःसूचना

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1983

सं० एक 4(5) डबल्यू एच एस/82--6.25 प्रतिशत अण, 1986 (तीसरा निगम), 7.25 प्रतिशत अण, 1992 (पाँचवाँ निर्गम) और 9.00 प्रतिशत अण, 2013 (चौथा निर्गम) के लिए 500 करोड़ रुपये की कुल राशि के लिए 1 फरवरी, 1983 को बैंकिंग समय की समाप्ति तक अभिवान नकदी में स्वीकार किये जाएंगे। परकाम्य लिखित अधिनियम, 1881 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 1 फरवरी 1983 को छुट्टी घोषित किये जाने पर अगले कार्य दिन बैंकिंग समय की समाप्ति तक संबंधित आदाता कार्यालयों में अभिवान स्वीकार किये जाएंगे। सरकार को 500 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त 10 प्रतिशत तक के अभिवानों को रख लेने का अधिकार है।

2. यदि उपर्युक्त अणों की कुल अभिवान राशि 550 करोड़ रुपये से अधिक हो तो अधिदाताओं को अनुपातिक आधार पर आंशिक आबंटन किया जाएगा। यदि आंशिक आबंटन किया जाता है तो आंशिक आबंटन के बाद शेषांश अधिक अभिवान की राशि लौटा दी जाएगी। इस प्रकार लौटाई गयी राशि पर कोई ब्याज अदा नहीं किया जाएगा।

3. रु० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जानेवाला और 26 जुलाई 1986 को सममूल्य पर प्रतिदेय 6.25 प्रतिशत अण, 1986 (तीसरा निर्गम)।

(i) वापसी अदायगी की तारीख अण 26 जुलाई, 1986 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य आवेदित अण के प्रत्येक रु० 100.00 (संकेतिक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।

(iii) ब्याज—इस अण की ब्याज दर 1 फरवरी 1983 से वार्षिक 6.25 प्रतिशत होगी। 1 फरवरी, 1983 से 25 जुलाई 1983 (बोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि का ब्याज 26 जुलाई 1983 को अदा किया जाएगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 26 जनवरी और 26 जुलाई को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर लीचे दिये गये मनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन प्राय कर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

4. रु० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 24 मई, 1992 को सममूल्य पर प्रतिदेय 7.25 प्रतिशत अण, 1992 (पाँचवाँ निर्गम)

(i) वापसी अदायगी की तारीख—अण 24 मई, 1992 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य आवेदित अण के प्रत्येक रु० 100.00 (संकेतिक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।

(iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 1 फरवरी, 1983 से वार्षिक 7.25 प्रतिशत होगी। 1 फरवरी, 1983 से 23 मई, 1983 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि का ब्याज 24 मई, 1983 को भुगत किया जाएगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 24 नवम्बर और 24 मई को ब्याज भुगत किया जाएगा। इस प्रकार भुगत किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

5. ₹० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 24 मई 2013 को सममूल्य पर प्रविष्ट 9.00 प्रतिशत ऋण 2013 (चौथा भिर्गम)

- (i) वापसी अवधि की तारीख—ऋण 24 मई 2013 को सममूल्य पर वापस भुगत किया जाएगा।
- (ii) भिर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक ₹० 100.00 (संकेतिक) भिर्गम मूल्य ₹० 100.00 होगा।
- (iii) ब्याज इस ऋण की ब्याज दर 1 फरवरी, 1983 से वार्षिक 9.00 प्रतिशत होगी। 1 फरवरी, 1983 से 23 मई 1983 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि का ब्याज 24 मई, 1983 को भुगत किया जाएगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 24 नवम्बर और 24 मई को ब्याज भुगत किया जाएगा। इस प्रकार भुगत किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

#### पूरक व्यवस्था

6. आवेदन पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जाएंगे—

(क) प्रहमदाबाद, बंगलूर, बंबई (कोर्ट और भायखला), कलकत्ता, गोहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय; और

(ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में अन्य सभी स्थानों पर भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं।

7. ब्याज भुगत करने का स्थान—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के प्रहमदाबाद, बंगलूर, बंबई, कलकत्ता, गोहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित लोग ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और काश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़ कर अन्यत्र किसी राजकोष या उपराजकोष में ब्याज भुगत किया जाएगा।

8. ब्याज भुगत करने समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गए कर की वापसी अवधि उन ऋणधारकों को प्राप्त होगी जो कर के पत्र नहीं हैं या जिन पर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गए कर की दर से कम हो।

जो धारक कर पत्र नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर पत्र है वह जितने के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किए बिना या धारक पर लागू होनेवाली शून्य-तर दर पर कर की कटौती कर उसे ब्याज भुगत किया जाए।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा से अधिक नहीं है, ब्याज भुगत करने के लिए बिम्बेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतिशों में बोधना पत्र भेजने पर कर की कटौती किए बिना ब्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

9. अब जारी किए जानेवाले ऋणों पर ब्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर भिलने वाले ब्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलनेवाली आय को वार्षिक 6,000 रुपये की सीमा तक और आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 80ठ के अन्य उपबंधों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

10. अब जारी किए जानेवाले ऋणों में किए जाने वाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए अन्य निवेशों और सम्पत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी 1,65,000 रुपये की सीमा तक सम्पत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

11. प्रतिभूतियां निम्नलिखित के रूप में जारी की जाएंगी :-

(i) स्टार प्रमाणपत्र या (ii) वचनपत्र।

यदि आवेदक इनमें से किसी का उल्लेख न करें तो उन्हें वचनपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां जारी की जाएंगी।

12. ऋणों के लिए आवेदन पत्र—ऋणों के लिए आवेदन पत्र ₹० 105 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिए।

13. आवेदन पत्र इसके साथ सलग फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें आवेदित प्रतिभूतियों की राशि और बिबरण, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहां आवेदक ब्याज की अवधि की अपेक्षा करता हो।

14. आवेदन पत्रों के साथ आवश्यक राशि नकदी या बैंक के रूप में जमा की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किए जाने वाले बैंक संबंधित बैंक के नाम प्राधिकृत किए जाने चाहिए।

15. स्वीकृत बैंकों और दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी भुगतान ऋण आवेदन पत्रों पर किए गए डाकटनों पर प्रति ₹० 100.00 (संकेतिक) 6 पैसे की दर पर दलासी भुगत की जाएगी।

दलासी की अवधि के लिए ऋण जारी किए जाने की तारीख से छः महीने के भीतर संबंधित कार्यालयों में वावा पत्र किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति के आदेश से  
अखिलेश चन्द्र तिवारी, संयुक्त सचिव

## आवेदन पत्र का फार्म

मैं/हम\* \_\_\_\_\_ (पूरा/पूरे नाम) \_\_\_\_\_  
 इसके साथ रु० \_\_\_\_\_ (रुपये) के लिए  
 नकदी\* \_\_\_\_\_ प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं\* और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें\* नीचे उल्लिखित मूल्य वर्ग/मूल्य वर्गों में \*वचनपत्र (पत्रों) \_\_\_\_\_  
 बैंक \_\_\_\_\_ स्टॉक प्रमाणपत्र \_\_\_\_\_  
 के रूप में \_\_\_\_\_

रुपयों के सांकेतिक मूल्य के 6.25 प्रतिशत ऋण, 1986 (तीसरा निर्गम)\* / 7.25 प्रतिशत ऋण, 1992 (पांचवां निर्गम)\* / 9.00 प्रतिशत ऋण, 2013 (चौथा निर्गम)\* की प्रतिभूतियां जारी की जाएं :-

प्रति वचनपत्र रु० \_\_\_\_\_ का (के) + \_\_\_\_\_ वचनपत्र

प्रति वचनपत्र रु० \_\_\_\_\_ का (के) + \_\_\_\_\_ वचनपत्र

प्रति वचनपत्र रु० \_\_\_\_\_ का (के) + \_\_\_\_\_ वचनपत्र

2. मैं/हम\* चाहता हूँ/चाहते हैं कि उनका ब्याज \_\_\_\_\_ में प्रदा किया जाए।

विशेष टिप्पणी: इस खाने में आवेदक कुछ न लिखें प्रविष्टियां आदाता कार्यालय द्वारा की जाएगी।

	छोटे हस्ताक्षर	दिनांक
आवेदन पत्र सं०		
"बलासी नहीं" नुस्खा		
नकदी प्राप्त होने की तारीख		
बैंक बतुल होने की तारीख		
विशेष बालू खाते में जमा करने की तारीख		
प्राप्त की गयी		
नकदी आवेदनपत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया		
बलासी रजिस्टर में दर्ज किया गया		
मांग पत्र सं०		
प्रतिभूत सं०		
कार्ड सं०		
वाउचर पारित करने की तारीख		

हस्ताक्षर : \_\_\_\_\_

(पूरा/पूरे) नाम \_\_\_\_\_

पता \_\_\_\_\_

दिनांक फरवरी, 1983

\*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

+ रु० 100, रु० 200, रु० 500, रु० 1000, रु० 5,000, रु० 10,000, रु० 25,000, रु० 50,000 और रु० 1,00,000 के मूल्य वर्गों में वचनपत्र जारी किये जाएंगे।

जो मूल्य वर्ग अपेक्षित हो उसका उल्लेख किया जाए।

- (1) प्रत्येक ऋण और अपेक्षित नये ऋण की प्रत्येक प्रकार की प्रतिभूति (स्टॉक प्रमाणपत्र या वचनपत्र) के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए।
- (2) यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगूठे के निशान के रूप में हो तो वो व्यक्ति उसके साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिये जाएं।
- (3) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो विशेष आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक ऋण कार्यालय में पहुंचे ही पंजीकृत न किये गये हों तो, संलग्न किये जाएं।

(i) निगमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी सत्य प्रतिलिपि।

(ii) कंपनी/निकाय के स्थापन पत्र और अंतर्नियम या नियमों और विनियमों/उप-नियमों को प्रमाणित प्रतिलिपियां।

(iii) कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेनदेन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति(यों) के पक्ष में किये गये संकल्प को प्रमाणित प्रतिलिपि, उसके/ उनके विधिवत् सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।

- (4) जो आवेदक स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें छाहरी ब्याज के प्रेषण के लिए (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध) आवेदन फार्म भी भरना चाहिए।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 20th January, 1983

No. F. 4 (5)W & M/82. —Subscriptions for the issues of 6.25 per cent Loan, 1986 (Third Issue), 7.25 per cent. Loan, 1992 (Fifth Issue), and 9.00 per cent. Loan, 2013/(Fourth Issue) for an aggregate amount of Rs. 500 crores will be received in the form of cash on the 1st February, 1983 upto the close of Banking hours. In the event of 1st February 1983 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments, Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of Banking hours on the next working day. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent in excess of the sum of Rs. 500 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 550 crores, partial allotment will be made in respect of the Loans, on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 6.25 per cent. Loan, 1986 (Third Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 26th July, 1986.

(i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 26th July 1986.

(ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest.—The loan will bear interest at the rate of 6.25 per cent. per annum from 1st February 1983. Interest for the period 1st February 1983 to 25th July, 1983 (inclusive) will be paid on 26th July 1983 and thereafter interest will be paid half-yearly on 26th January and 26th July. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

4. 7.25 per cent Loan, 1992 (Fifth Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 24th May.

(i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 24th May 1992.

(ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 7.25 per cent. per annum from 1st February 1983. Interest for the period 1st February 1983 to 23rd May 1983 (inclusive) will be paid on 24th May 1983 and thereafter interest will be paid half-yearly on 24th November and 24th May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

5. 9.00 per cent Loan, 2013 (Fourth Issue) issued at R 100.00 per cent. and redeemable at par on the 24th May 2013.

(i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 24th May 2013.

(ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 9.00 per cent. per annum from 1st February 1983. Interest for the period 1st February 1983 to 23rd May 1983 (inclusive) will be paid on 24th May 1983 and thereafter interest will be paid half-yearly on 24th November and 24th May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

## SUPPLEMENTARY PROVISIONS

6. Applications will be received at—

(a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay (Fort and Byculla) Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum; and

(b) Branches of the State Bank of India at all places in India except at (a) above.

7. Place of Payment of Interest.—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu and Kashmir and Sikkim.

8. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain on application a certificate from the Income-Tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

9. Interest on the loans now issued together with interest on other previous Government securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 6,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

10. The value of investments in the loans now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the Wealth-tax upto Rs. 1,65,000.

11. The securities will be issued in the form of—

(i) Stock Certificates; or (ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicants, the securities will be issued in the form of Promissory Notes.

12. Applications for the Loans.—Applications for the loans must be for Rs. 100 or a multiple of that sum.

13. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

14. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques tendered to the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

15. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks and brokers of allotment made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the concerned offices within six months from the date of floatation of the loans.

By Order of the President  
A. C. TIWARI, Jt. Secy.

## FORM OF APPLICATION

I/We\*.....herewith

[Full Name(s) in Block Letters]

I tender \*Cash Rs.....(Rupees).....

Cheque for  
and request that Securities of 6.25 per cent. Loan, 1986 (Third Issue)\* / 7.25 per cent. Loan, 1992 (Fifth Issue)\* / 9.00 per cent. Loan, 2013 (Fourth Issue)\* of the nominal value of Rs..... may be issued to me/us\* in the form of \*Promissory Note(s) in the denomination(s) stated below :—

Stock Certificate..... Promissory Note(s)† of Rs.....each.

..... Promissory (Note(s)† of Rs..... each.

..... Promissory Note(s)† of Rs.....each.

2. I/We\* desire that interest be paid at.....

N.B.—The applicant should not write anything in this cage.  
The entries will be filled in by the Receiving Office.

Signature(s).....

Name(s) in full.....

(Block Letters)

	Initials	Date	
Application No. ....	.....	.....	.....
N. B. Stamp.....	.....	.....	.....
Cash received on.....	.....	.....	Address.....
Cheque realised on .....	.....	.....	.....
Credited to Special Current Account on.....	.....	.....	.....
Examined .....	.....	.....	.....
Cash Applications Register posted .....	.....	.....	.....
Brokerage Register posted.....	.....	.....	.....
Indent No.....	.....	.....	.....
Scrip No.....	.....	.....	.....
Card No.....	.....	.....	.....
Voucher passed on .....	.....	.....	Dated the ..... of
			February 1983.

\*Delete what is not required.

†Promissory Notes will be issued in denomination of Rs. 100, Rs. 200, Rs. 500, Rs. 1,000, Rs. 5,000, Rs. 10,000, Rs. 25,000, Rs. 50,000 and Rs. 1,00,000. State here the particular denomination(s) required.

Notes.—(1) Separate applications should be made for each Loan and each form of scrip (Stock Certificate or Promissory Note) of the New Loan required.

(2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.

(3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application :—

(i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.

(ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/Bylaws of the company/body.

(iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).

(4) Applicants desiring the issue of scrips in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance half-yearly interest to them.

